कार्यालय: गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
(मानचित्र स्वीकृति पत्र)

मा॰ चित्र स॰ 21/19/07/जोन–1/13–14

दिनांक : 28-10-13

मै. किशोर वैभव इन्फ्राहोम प्रा.लि. व मै. मिलन इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं डवलपर्स प्रा.लि.
द्वारा मैनेजर श्री योगेन्द्र सिंह,
एम-551 ई ब्लॉक, शकरपुर,
दिल्ली– 110092

आपके प्रार्थना पत्र दिनांक 17.04.13 के सदर्भ मे आपके प्रस्तावित ग्रुप हाउसिंग मानचित्र खसरा स. 1119 व 112
मुरादनगर गाजियाबाद पर उपाध्यक्ष महोदय द्वारा दिनांक 03.10.13 को निम्नलिखित शर्तो के साथ स्वीकृति प्रदान की गयी है

1 यह मानचित्र स्वीकृति से केवल पाँच वर्ष तक वैध है।
2 मानचित्रों की इस स्वीकृत सम्बन्धित किसी भी शासकीय विभाग स्थानीय निकाय (जैसे नगर पालिका, जी.डी.ए.) किसी व्यक्ति का अधिकार तथा स्वामित्व किसी प्रकार से प्रभावित नही होता है।
3 भवन मानचित्र जिस प्रयोजन हेतु स्वीकृत कराया गया है उसी प्रयोग में लाया जायेगा।
4 यदि भविष्य मे विकास कार्य हेतु कोई व्यय मॉगा जायेगा तो वह बिना किसी आपत्ति के देय होगा।
5 जो भूमि विकास कार्य के उपयुक्त नही होगी उसे शासन अथवा किसी स्थानीय निकाय/प्राधिकरण विकास करने की जिम्मेदारी नही है।
6 दरवाजे व खिड़कियाँ इस तरह से लगाये जायेंगे कि सार्वजनिक सड़क की ओर न खुले।
7 बिजली की लाईन से निर्धारित सीमा के अन्दर कोई निर्माण नही किया जायेगा।
8 सड़क सर्विस लेन अथवा सरकारी भूमि पर कोई निर्माण सामग्री (बिल्डिंग मैटीरियल) नहीं रखी जायेगी तथा गंदे पानी निकासी का पूर्ण प्रबन्ध स्वयं करना होगा।
9 स्वीकृत मानचित्रो का एक सैट स्थल पर रखना होगा ताकि मौके पर कभी भी जॉच की जा सके तथा निर्माण कार्य स्व मानचित्रा स्पेशीफिकेशन नियमों के अनुसार ही कराया जायेगा तथा भवन के स्वामित्व की भी जिम्मेदारी उन्ही की होगी।
10 यह मानचित्र उ.प्र. नगर योजना एवं विकास अधिनियम–1973 की धारा–15 के अन्तर्गत किसी अन्य शर्तों के साथ स्वी किये जाते है तो वह शर्त भी मान्य होगी।
11 सड़क पर अथवा लेन में निर्धारित से अधिक कोई रैम्प नही बनाये जायेंगे। यह कार्य अपनी ही भूमि पर करेंगे।
12 सुपरविजन एव स्पेशीफिकेशन की नियम/शर्तों का पालन करना होगा।
13 पक्ष द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र दिनांक 27.05.13 व 23.10.13 का पालन करना होगा।
14 पर्यावरण की दृष्टि से उ.प्र. राज्य व नीति अधिनियम के अन्तर्गत कम से कम प्रत्येक हेक्टेयर 50 पेड़ लगाना अनि होगे।
15 स्वीकृत मानचित्र इसके साथ सलग्न है भवन कार्य समाप्त होने के माह के अन्दर निर्धारित प्रारूप में कार्य पूरा होने प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र देना होगा तथा बिना आज्ञा व प्रमाण–पत्र लिये भवन को प्रयोग में न लाये।
16 300 वर्गमी. या उससे अधिक क्षेत्रफल के नवनिर्मित होने वाले समस्त प्रकृति के भवनों में रूफ टॉप रैन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था करना अनिवार्य है।
17 12.00 मी. से अधिक ऊँचे समस्त प्रकृति के भवन तथा समस्त अवस्थापना सुविधाओं से सम्बन्धित मदों में नियमानु भूकम्परोधी व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।
18 संरचना सुरक्षा का उत्तरदायित्व स्वयं आपका होगा तथा आप द्वारा सरचरना सुरक्षा एव भूकम्परोधी शासनादेशों अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।
19 भवन मे उपयोग से पूर्व सम्पूर्ति प्रमाण–पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा एवं सम्पूर्ति प्रमाण–पत्र से पूर्व रैन वाटर हार्वेस्टि एव समस्त विकास कार्य पूर्ण कराने होंगे।
20 निर्धारित 24.0 मी. महायोजना मार्ग में विस्तार हेतु स्थल पर रोड के भाग को छोड़ते हुए निर्माण/विकास कार्य कि जायगा। बाउण्ड्री वाल का निर्माण रोड वाइडेनिंग की भूमि के बाद किया जायेगा।
21 15 प्रतिशत आवश्यक ग्रीन जन सामान्य हेतु छोड़ना होगा।
22 भू–स्वामित्व की समस्त जिम्मेदारी आपकी होगी। किसी वाद/विवाद की स्थिति में मानचित्र स्वतः निरस्त माना जायेगा त तहसील एव नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा भूमि चिन्हित कराकर ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
23 उक्त क्षेत्र मे 75 प्रतिशत बाहय विकास शुल्क जमा होने के उपरान्त ही प्राधिकरण द्वारा विकास कार्य कराये जायेंगे।
24 नाली, चकरोड, ग्राम समाज व निगम/सरकारी भूमि पर कोई निर्माण कार्य/विकास कार्य नही किया जायेगा।
25 अतिरिक्त शर्तें स्वीकृति पत्र के साथ संलग्न हैं एवं मानचित्र के पृष्ठ भाग पर चस्पा है, जिनका अनुपालन अनिवार्य रूप सुनिश्चित करना होगा।

संलग्नक : 1. एक सैट स्वीकृत मानचित्र।

मुख्य वास्तुविद एवं नगर नियोजक
गा.वि.प्रा., गाजियाबाद

प॰ सं॰ 21/ एमo/जोन–1/13–14 दिनांक / 28-10-13

प्रतिलिपि : प्रवर्तन खण्ड को स्वीकृत मानचित्र सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।